सम्पादकीय
अपना राष्ट्रधर्म पूरे उत्साह, समझदारी और जिम्मेदारी के साथ निभायें 2

मध्य प्रदेश
इतिहास रच रही हैं मातृशक्ति जन्मशताब्दी श्रद्धा संवर्धन यात्राएँ 3

कपासन, मेवाड़
घर-घर को व्यसनमुक्त बनाने के संकल्प उभरे 6

युवा अभ्युदय 2024
सकारात्मक बदलाव लाने में युवाओं की भूमिका अहम
- डॉ. चिन्मय जी 7

परहित के लिए कष्ट सहने में पीछे न रहे, वही सच्चा शिवभक्त 8

समाज निर्माण एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए समर्पित

E-mail: news@awgp.org

पाक्षिक

प्रज्ञा अभियान

संस्थापक, संरक्षक : युगऋषि पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा

1 अप्रैल 2024

वर्ष : 36, अंक : 19
प्रकाशन स्थल : शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
प्रकाशन तिथि : 27 मार्च 2024
वार्षिक चंदा : ₹ 80/-
वार्षिक चंदा (विदेश) : ₹ 1000/-
प्रति अंक : ₹ 4/-

विचार विस्तार वर्ष

RNI-NO.38653/ 1980 Postel R.No.UA/DO/DDN/ 16/ 2024-26 Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2024-26

।। ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंतःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमें सन्मार्ग में प्रेरित करे।

विश्व मानव की अखण्ड अन्तरात्मा

अपने भीतर झाँको

समस्त जड़-चेतन विश्व मानव की एक और अखण्ड आत्मा के अन्तर्गत अवस्थित हैं। इस आत्मा में अपनी एक दिव्य आभा, स्वर्गीय ज्योति जगमगाती है। अनेक मल आवरणों ने उसे ढक रखा है। यदि वह ज्योति इन आवरणों को चीरकर अपने शुद्ध स्वरूप में जगमगाने लगे तो उसका आलोक जहाँ भी पड़े, वहीं आनन्द का परम आह्लादकारी दृश्य दिखाई दे सकता है। इस प्रकाश की सीमा में आने वाली हर वस्तु स्वर्गीय बन सकती है। ऐसी बहुमूल्य ज्योति हमारे अन्दर मौजूद है। स्वर्ग की सारी साज-सज्जा हमारे भीतर प्रस्तुत है, पर अविद्या के प्रतिरोधी तत्त्वों ने उसे भीतर ही अवरुद्ध कर रखा है। फलस्वरूप मानव प्राणी स्वयं नारकीय स्थिति में पड़ा हुआ है और वैसा ही नरकतुल्य वातावरण अपने चारों ओर बनाये बैठा है।

आत्मा स्वार्थ की संकुचित सीमा में अवरुद्ध होकर आज खण्डित हो रही है। हर व्यक्ति अपने को दूसरे से अलग खण्डित देखता है, फलस्वरूप चारों ओर संघर्ष और कलह का वातावरण उत्पन्न होता है।

वस्तुतः हम सब एक हैं, अखण्ड हैं, सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, एक का सुख-दुःख दूसरे का सुख-दुःख है। उठना है तो सबको एक साथ उठना होगा, सुख ढूँढ़ना है तो सबको उसे बाँटना होगा। खण्डित व्यक्ति स्वार्थ की संकुचित सीमा में रहकर अपने शरीर के लिए कुछ भी, कितना ही इकट्ठा क्यों न कर लें, पर इससे उन्हें कोई चैन न मिलेगा। जब तक हम अपने को सबमें और सबको अपने में न देखने लगेंगे, तब तक मानव अपनी महानता से, मानवता से वंचित ही बना रहेगा। एक-दूसरे के प्रति प्रेम, आत्मीयता, ममता, स्नेह, उदारता, क्षमा, करुणा की दृष्टि से देखें और जो कुछ अपने पास है, उसका लाभ दूसरों को देने के लिए प्रस्तुत रहें, तभी मनुष्य की मनुष्यता सार्थक हो सकती है।

आध्यात्मिकता का संदेश है कि हममें से हर कोई अपने भीतर दृष्टि डाले, अन्तमुर्खी होकर देखे कि उसके भीतर कितनी प्रचुर मात्रा में दैवी सम्पत्ति भरी पड़ी है। यदि वह उसे जान ले, देख ले और उसका सदुपयोग करने लगे तो मरने के बाद नहीं, इसी जीवन में, आज ही स्वर्ग का आनन्द ले सकता ।

यह कथा-कल्पना नहीं, वरन् सुनिश्चित तथ्य है कि अपने आपको जान लेने पर मनुष्य सब कुछ जान सकता है। अपने आपको सुधार लेने पर संसार की हर बुराई सुधर सकती है। अपने को बना लेने पर बाहर के जगत में सब कुछ बन सकता है, अपने को विकसित कर लेने पर बाहर की सारी गिरावट उत्कृष्टता में परिणत हो सकती है। व्यक्ति महान बने, समाज महान बने तथा सारी वसुधा महानता से ओत-प्रोत हो, यह मिशन लेकर हमको उठना है। जब तक हम जीवित हैं, तब तक इसी प्रयत्न में लगे रहेंगे।

हम अलग दिखते हैं, हैं नहीं

दूसरे हम से भिन्न नहीं, हम दूसरों से भिन्न नहीं, इसी मान्यता में अध्यात्मवाद का सारा रहस्य सन्निहित है। दूसरों की पीड़ा जब अपनी पीड़ा लगने लगे, दूसरों को सुखी और समृद्ध देखकर जब अपने भीतर सन्तोष और हर्ष की लहर लहराये, तब समझना चाहिए कि हम आध्यात्मिकता के वास्तविक स्वरूप को पहचानने और ग्रहण करने की स्थिति में पहुँच रहे हैं। जब तक व्यक्ति अपने को समाज से भिन्न समझता है, लोकहित से अपने व्यक्तिगत स्वार्थ को अधिक महत्त्व देता है, तब तक वह मानवीय आदर्शों से पतित ही माना जायेगा ।

आत्मा अखण्ड है। हम सब एक ही नाव के यात्री, एक ही मंजिल के राही हैं, एक ही डाल पर रहने वाले पक्षी, एक ही बिल में रहने वाले चींटी-चींटे, परस्पर एक ही सूत्र में बँधे हुए हैं। सबका सुख-दुःख एक है। यदि संसार में पाप बढ़ेगा तो उसके बुरे प्रतिफलों से पुण्यात्माओं को भी कष्ट सहना पड़ेगा। पेड़ गिर पड़े तो उस पर रहने वाले सभी पक्षी आश्रयविहीन होंगे, बिल में पानी भर जाए तो उसमें रहने वाले सभी कीड़े संकट में पड़ेंगे। मानव जाति का भाग्य एक ही लिपि में लिखा गया है। यदि उत्थान होना है, सुख मिलना है तो वह सामूहिक ही हो सकता है। चोर लोग अमीर रहना चाहें और सब गरीबी भुगतें, वह स्थिति देर तक नहीं रह सकती। चाहे साम्यवाद हो चाहे अध्यात्मवाद, दोनों ही दृष्टिकोणों में यह गर्हित माना जायेगा और इसे बदलने का प्रयत्न किया जायेगा ।

आत्मा एक व्यापक तत्त्व है। यह अनन्त और अखण्ड है। पानी की हर लहर पर एक अलग सूरज चमकता दीखता है, पर वस्तुतः असंख्यों सूर्य कहाँ होते हैं? एक ही सूर्य की आभा तो अगणित लहरों पर स्वतंत्र प्रतिबिम्ब जैसी दीखती है। आत्मा भी एक है, उसकी अखण्ड ज्योति एक है। हम लहरों पर चमकने वाले प्रतिबिम्बों की भाँति अलग भले ही दिखाई दें पर वस्तुतः हम सब एक हैं। एक ही ज्वाला की अगणित चिंगारियाँ विभिन्न शरीरों में जलती दीखती हैं, एक ही बिजलीघर की प्रचण्ड धारा अनेक बल्बों में चमकती है, पर धारा का उद्गम एक है।

संकीर्णताओं से मुक्ति मिले

इस एकता को जितनी जल्दी हम समझ लें, उतना ही उत्तम है। वेदान्त का अद्वैत सिद्धान्त ही सत्य है, द्वैत मिथ्या है। द्वैत को मिटाकर अद्वैत की प्राप्ति के लिए ही अध्यात्म-शास्त्र और साधना-विज्ञान का आविर्भाव हुआ है। जीव जब अपनी सत्ता को भुला करके ईश्वर में लीन हो जाता है, तब समाधि का, मुक्ति का सुख मिलता है। लौकिक जीवन में भी सुख-शान्ति का यही मार्ग है। व्यक्ति अपने संकुचित स्वार्थों की शैली में सोचना छोड़कर समाज की, समूह की बात सोचने लगे तो सर्वांगीण मुक्ति का वातावरण विनिर्मित हो सकता है।

राजनीतिक स्वतंत्रता, आर्थिक स्वतंत्रता, सामाजिक स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता आदि स्वतंत्रता के विविध आन्दोलन चलते रहते हैं। आत्मा स्वतंत्र है, वह बंधन में नहीं रहना चाहती। जब छोटी-सी चिड़िया तक पिंजड़े में बन्द रहने की पराधीनता स्वीकार नहीं करती और अवसर मिलते ही उन्मुक्त आकाश में उड़ जाती है तो आत्मा ही क्यों पराधीन रहे? स्वाधीनता की उसकी भूख स्वाभाविक है। यह भूख आत्मिक स्वतंत्रता में ही जाकर पूर्ण होती है। व्यक्ति छोटे-से शरीर के लिए, छोटे से कुटुम्ब के लिए ही सब कुछ सोचे और सारे संसार की कठिनाई की ओर से आँखें बन्द कर ले, तो यह संकीर्णता, सीमाबद्धता, स्वार्थपरता ही कही जायेगी। इसी भव बन्धन में बँधा हुआ तो प्राणी जन्म-मरण की फाँसी में झूलता रहता है।

संकुचित स्वार्थों की सीमा में अवरुद्ध व्यक्ति तुच्छ है। जो अपनी ही बात सोचता है, अपने ही दुःख से दुःखी और अपने ही सुख से सुखी है, यह अभागा प्राणी पानी की एक बूँद की तरह है, जिसका अस्तित्व उपहासास्पद ही रहता है। समुद्र में अनेक बूँदों का समाज रहता है, इसलिए समुद्र भी महान है और उसकी हर बूँद भी धन्य है। सूर्य अपनी ज्योति को अपने घर में ही प्रकाशित नहीं रहने देता, वरन् उसकी किरणें लोक-लोकान्तरों तक निःस्वार्थ भाव से बिखरी रहती हैं। इसी से सविता को देवता कहते हैं। वे मनुष्य भी देवता ही हैं, जो ससीमता के बन्धन तोड़कर असीम बनने जा रहे हैं, जिनने स्वार्थ को परमार्थ में परिणित करने का निश्चय कर लिया है।

इस संसार का भाग्य और भविष्य एक ही नाव में रखा हुआ है। विज्ञान की प्रगति ने इस एकता को और भी अधिक घनिष्ठ कर दिया है। इसलिए हमें सुख और दुःख की, लाभ और हानि की, उत्थान और पतन की, जीवन और मरण की समस्या पर व्यक्ति की दृष्टि से नहीं, समूह की, समाज की दृष्टि से विचार करना चाहिए। जिसमें सबकी भलाई है, उसी में अपनी भलाई हो सकती है। जिसमें सबका सुख और सन्तोष है, उसी में हमें भी सुख-शान्ति मिल सकती है। अपने को सुखी बनाने की इच्छा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को विस्तृत दृष्टि से देखना चाहिए और आत्मा की अखण्ड ज्योति को एक सीमित क्षेत्र तक संकुचित न रखकर विस्तृत, विशाल क्षेत्र में फैलने देना चाहिए। सबके सुख में ही हमारा सुख सन्निहित है।

वाङ्मय खण्ड-46 (भव्य समाज का अभिनव निर्माण), पृष्ठ 2.1 से संकलित, सम्पादित

मानव जाति का भाग्य एक ही लिपि में लिखा गया है। यदि उत्थान होना है, सुख मिलना है तो वह सामूहिक ही हो सकता है। ... हम लहरों पर चमकने वाले प्रतिबिम्बों की भाँति अलग भले ही दिखाई दें पर वस्तुतः हम सब एक हैं। एक ही ज्वाला की अगणित चिंगारियाँ विभिन्न शरीरों में जलती दीखती हैं, एक ही बिजलीघर की प्रचण्ड धारा अनेक बल्बों में चमकती है, पर धारा का उद्गम एक है।

लोकतंत्र के प्रस्तुत महापर्व (लोकसभा के चुनाव) में

अपना राष्ट्रधर्म पूरे उत्साह, समझदारी और जिम्मेदारी के साथ निभायें

देश में लोकसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है। सत्ता पर स्थापित होने के लिए विविध पक्षों की रणभेरियाँ बज रही हैं। सर्वविदित है कि आज राजसत्ता विशुद्ध सेवा का क्षेत्र नहीं रहा है। यदि ऐसा होता तो देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले बाबू राजेन्द्र प्रसाद, लालबहादुर शास्त्री, सरदार पटेल, खुदीराम बोस, चंद्रशेखर आजाद जैसी महान आत्माओं ने जिस स्वतंत्र और समृद्ध भारत का सपना देखा था, वह आज साकार हो गया होता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। शिक्षा, संस्कार और स्वाभिमान के अभाव में स्वतंत्र भारत के जनमानस पर सत्ता का मद और धन-दौलत का लालच हावी होता गया। परिणाम स्वरूप अनेक तरह की विसंगतियाँ पनपती चली गईं, जिन्होंने कई अवांछनीयताओं को जन्म देकर देश की प्रगति को अवरुद्ध कर दिया। देश राजनेताओं के संरक्षण में लूट-खसोट, भ्रष्टाचार, अत्याचार, स्वार्थपरता के दलदल में फँसता चला गया।

सम्पादकीय

यद्यपि राष्ट्र की प्रगति के अनेक आधार हैं जैसे-श्रमिकों की श्रमशक्ति, उद्यमियों का बुद्धि कौशल, वैज्ञानिकों की दक्षता आदि। लेकिन इनमें राष्ट्र के नीति निर्धारकों की भूमिका अहम होती है, जिनके चयन का अधिकार आम जनमानस को है। यदि राष्ट्र के नागरिक जागरूक हों, तो देश सही हाथों में रहेगा और तरह-तरह की विसंगतियों से बचा रहेगा।

ऐसे ही दूरदर्शी, प्रतिभा सम्पन्न, राष्ट्रभक्त कुशल नेताओं के चयन का अवसर एक बार फिर आया है। हर नागरिक अपने देश को सम्पन्न और गौरवशाली देखना चाहता है, उसकी यह आकांक्षा उचित भी है, लेकिन यह पूरी तभी हो सकेगी जब वह तमाम आकर्षण, प्रलोभन और विसंगतियों से बचते हुए अपने मताधिकार का महत्त्व समझे और राष्ट्र के प्रति पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ उसका प्रयोग करे। परम पूज्य गुरुदेव प्रजातंत्र की सफलता के सूत्रों के विषय में लिखते हैं:-

"प्रामाणिक, जिम्मेदार, चरित्रनिष्ठ व्यक्तियों का चुनाव तभी संभव होगा, जब मतदाता अपने मत तथा दायित्वों की गरिमा समझे तथा यह अनुभव करे कि लोकतंत्र ने उन्हें कितना बड़ा अधिकार दिया है। अपने और अपने देश के भाग्य का निर्माण कर सकने का कितना बड़ा सौभाग्य मिला है।"

परम पूज्य गुरुदेव और अनेक तपस्वियों, महामनाओं की प्रेरणा एवं प्रयासों से परिस्थितियाँ बदली हैं और बदल रही हैं। जनमानस जाग रहा है। बदलते वैश्विक परिवेश में, जब दुनियाँ बहुत छोटी होती जा रही है, व्यक्ति अपने भले-बुरे की बेहतर पहचान करने लगा है। आवश्यकता एक ही है कि राजनीति का चाल-चरित्र बदला जाए। परम पूज्य गुरुदेव लिखते हैं:-

"वोट माँगने के लिए कितने ही प्रकार के मनोवैज्ञानिक हथकंडे अपनाये एवं तरकीबें भिड़ाई जाती हैं, जिसे देखकर मनुष्य की बुद्धि का लोहा मानना पड़ता है। जातिवाद, बिरादरीवाद, सम्प्रदायवाद, भाषावाद के विभिन्न नुस्खे अवसरवाद की छत्रछाया में प्रयोग किए जाते हैं। वे सफल भी होते देखे गये हैं। औचित्य की कसौटी पर कसने वाले थोड़े-से व्यक्ति होते हैं, जो उस धूर्तता को समझते हैं अन्यथा अधिकांश वादों के प्रवाह में बहते देखे जाते हैं-भोले लोग सहज ही उनके बहकावे में आ जाते हैं।

हर पार्टी की पहली पसंद जिताऊ उम्मीदवारों का चयन ही होता है। जब तक मतदाता का मानस नहीं बदलेगा, तब तक कुशल और ईमानदार छवि के मूर्धन्यों के हाथों में सत्ता नहीं आ सकेगी। आजकल की अर्थ प्रधान एवं स्वार्थपरक राजनीति में एक ईमानदार राष्ट्रसेवक का चुनाव लड़ पाना भी अत्यंत कठिन प्रतीत होता है।

प्रजातंत्र के इस महापर्व पर राष्ट्र के नवनिर्माण के लिए समर्पित गायत्री परिवार के परिजनों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे अपनी जागरूकता और कर्त्तव्यनिष्ठा का परिचय दें। इन दिनों हम एकता, शुचिता, समरसता का राष्ट्रीय पर्व-होली मना रहे हैं। संयम-साधना का पर्व चैत्र नवरात्र भी समीप है। एक नए वर्ष का शुभारंभ होने जा रहा है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी हो जाती है कि इन पर्वों की प्रेरणाएँ केवल उत्सव मनाने तक ही सीमित न रह जायें। यह जीवन में भी प्रविष्ट हों और राष्ट्र के उत्थान के लिए कल्याणकारी सिद्ध हों।

प्रजातंत्र के इस महापर्व में हम 'मानव मात्र एक समान' के सूत्र को अपनाते हुए जाति, सम्प्रदाय, भाषा, प्रान्त जैसे तमाम भेदों से उठकर केवल उत्कृष्टता का समर्थन करें। स्वार्थ को त्यागें, सही का चयन करें। वायदों को नहीं, प्रत्याशी के व्यक्तित्व को देखें। यह जागरूकता हमें स्वयं भी अपनानी होगी और अपने समाज को भी यथार्थता से अवगत कराना होगा।

मध्य प्रदेश में इतिहास रच रही हैं मातृशक्ति जन्मशताब्दी श्रद्धा संवर्धन यात्राएँ

आरंभ : 27 जनवरी 2024 **समापन** : रामनवमी 17 अप्रैल 2024 को	मध्य प्रदेश में हर पंचायत तक पहुँचने का है कार्यक्रम	प्रथम एक माह में 51 जिलों की 207 तहसीलों के 5535 ग्राम पंचायतों/स्थानों में पहुँची यात्राएँ	3,39,965 व्यक्तियों तक गुरुवर का संदेश

मातृशक्ति जन्मशताब्दी श्रद्धासंवर्धन यात्राओं के अवसर पर गाँव-गाँव में हो रहे उत्साहभरे स्वागत समारोह

भोपाल। मध्य प्रदेश

इन दिनों पूरे मध्य प्रदेश में मातृशक्ति, अखंड दीप जन्म शताब्दी श्रद्धा संवर्धन यात्राएँ निकाली जा रही हैं। यात्राओं का शुभारंभ 27 जनवरी 2024 से हुआ, जो 17 अप्रैल तक चलेंगी। मात्र 29 फरवरी तक के एक माह में 51 जिलों की 207 तहसीलों के 5535 ग्राम पंचायतों/स्थानों में यह यात्राएँ पहुँचीं। इनके माध्यम से 3,39,965 व्यक्तियों तक गुरुदेव का संदेश पहुँचा।

जहाँ-जहाँ चरण पड़े गुरुवर के

जन्म शताब्दी वर्ष की एक विशेष योजना है उन स्थानों को तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित करना, जहाँ परम पूज्य गुरुदेव स्वयं पहुँचे थे। यात्रा के प्रथम 33 दिनों में 231 स्थानों की पहचान हुई है।

सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में यह यात्रा 204 रथों के माध्यम से चलाई जा रही है। 55 जिलों की 438 तहसीलों की 23436 ग्राम पंचायतों में जाकर परम पूज्य गुरुदेव का संदेश एवं गायत्री परिवार के विभिन्न अभियानों को प्रदेश के 56140 गाँव तक पहुँचाने का लक्ष्य है। शान्तिकुञ्ज द्वारा चलाए जा रहे 'आओ बनाएँ नशामुक्त भारत' अभियान के प्रचार-प्रसार में भी यह यात्राएँ अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

जन्मशताब्दी श्रद्धासंवर्धन शक्तिकलश यात्राओं को सीधे शान्तिकुञ्ज से संरक्षण-मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। मध्य जोन प्रभारी श्री जगदीश चंद्र कुलमी एवं मध्य प्रदेश के जोनल समन्वयक श्री राजेश पटेल तक प्रत्येक यात्रा का विवरण पहुँच रहा है और आवश्यक मार्गदर्शन दिया जा रहा है। यात्राओं के सफल संचालन में सर्वश्री रघुनाथ प्रसाद हजारी, अशोक सक्सेना, रामचंद्र गायकवाड़, महावीर पाटीदार, सी.एल. चौरासे एवं रमेश नागर का अग्रणी योगदान है।

उज्जैन की पंचायतों में अखण्ड दीप पूजन

हर क्षेत्र में गौरव बोध कराती यात्राएँ

उज्जैन जिले में 5 रथों के द्वारा पंचायत मुख्यालय पर जाकर वहाँ के सरपंच, गणमान्य नागरिकों, माता बहिनों और विद्यार्थियों से संपर्क किया जा रहा है। लगभग 40 दिनों में जिले की सभी 8 तहसीलों की 55 पंचायतों तक पहुँचकर 25 हजार से अधिक लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क किया गया।

जिले के प्रचार प्रसार सेवक श्री देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इन यात्राओं से जनसंपर्क और जनचेतना जागरण का बहुत बड़ा प्रयोजन पूरा हो रहा है। जहाँ भी अखण्ड ज्योति आदि पत्रिकाएँ पहुँचती रही हैं, जो लोग भी गायत्री परिवार के पूर्व संपर्क में रहे हैं, उनके साथ संवाद और आत्मीयता के संबंध स्थापित हो रहे हैं। इन यात्राओं के माध्यम से परिजन गुरुसत्ता को दिया गया आश्वासन

"कह देना अपने बच्चों पर, आप भरोसा रखना।
बचा कार्य हम पूर्ण करेंगे, दृष्टि बनाए रखना।।"

को पूरा करने की गौरवानुभूति कर रहे हैं।

नशामुक्ति के 6000 संकल्प

कसरावद, खरगोन

खरगोन जिले के कसरावद तहसील क्षेत्र में मातृशक्ति अखंडदीप जन्म शताब्दी श्रद्धा संवर्धन यात्रा अपने उद्देश्य में पूरी तरह सफल रही। प्रथम चरण के प्रारंभिक 35 दिनों में 200 गाँवों में जनजागरण अभियान संपन्न हुआ। गाँव-गाँव में लोगों ने श्रद्धापूर्वक यात्रा का भव्य स्वागत-सत्कार किया, शक्तिकलश एवं अखंडदीप का भावभरा पूजन अर्चन कर आरती उतारी।

पैंतीस दिवसीय इस यात्रा में पूरे समय समयदान करने वाले परिव्राजक रामजी पाटीदार, युवा पुरोहित संतोष पाटीदार, वरिष्ठ हरेसिंह मंडलोई, ग्राम के जयराम पाटोदा आदि को यात्रा के समापन पर गायत्री प्रज्ञा संस्थान में हुए कार्यक्रम में वरिष्ठजनों द्वारा शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

हर गाँव में ग्राम स्वच्छता, पर्यावरण की रक्षा, वृक्षारोपण, प्लास्टिक से मुक्ति का संदेश देने के साथ-साथ युवाओं को नशामुक्ति का संदेश दिया गया। 200 गाँवों में लोगों ने बुराइयाँ त्यागने और रचनात्मक आन्दोलनों में भागीदारी के 6000 संकल्प पत्र भरे, जिनमें नशामुक्ति के संकल्प प्रमुख हैं।

हर पंचायत में त्रिवेणी रोपण

कसरावद तहसील की संपूर्ण 83 पंचायतों में परम वंदनीया माताजी की स्मृति में ट्रीगार्ड और नेम प्लेट सहित 'त्रिवेणी रोपण' का महत्त्वपूर्ण कार्य भी संपादित हुआ। इन पौधों के पेड़ बनने तक ध्यान रखने और उसके लिए होने वाले खर्च की व्यवस्था भी की गई।

व्यसनमुक्त होगा बालसमूद

बड़वानी। मध्य प्रदेश

मातृशक्ति जन्म शताब्दी श्रद्धा संवर्धन यात्रा के क्रम में बड़वानी जिले के बालसमूद के शोल्यापूरा फलियां में गायत्री परिवार के नशामुक्ति अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिली।

व्यसन मुक्ति अभियान के जिला प्रभारी श्री रमेशचंद्र पटोदे ने बताया कि ग्राम शोल्यापूरा भिलाला आदिवासी बस्ती है। वहाँ हर घर के व्यक्ति को शराब की लत है। गायत्री परिवार ने घर-घर जाकर संपर्क किया, नशे के दुष्परिणाम बताकर उसे छोड़ने का अनुरोध किया। परिणाम स्वरूप दीपयज्ञ के अवसर पर कुछ युवाओं ने बीड़ी, सिगरेट, शराब छोड़ने का संकल्प लिया।

श्री महेन्द्र भावसार ने बताया कि इस सफलता में गायत्री परिवार के सक्रिय कार्यकर्त्ता श्री मंसाराम अवासिया ने अपना उदाहरण देकर नशा छोड़ने के बाद उनके जीवन में आए क्रान्तिकारी सकारात्मक परिणामों को बताकर लोगों को बहुत प्रभावित किया।

अलीराजपुर में जिला समन्वयक श्री संतोष वर्मा के मार्गदर्शन में जिले की 5 तहसीलों की 288 ग्राम पंचायतों के प्रत्येक गाँवों में यह उपयात्रा पहुँची। हर भारतवासी में आत्म चेतना का, नैतिकता, मानवता, सद्भावना, संयमशीलता, कर्त्तव्यपारायणता आदि सद्गुणों का विकास हो, ऐसी प्रार्थना हर गाँव की सभा में की गई।

कसरावद की पंचायतों में आयोजित हुए त्रिवेणी रोपण समारोह

बालसमूद, बड़वानी में आयोजित दीपयज्ञ

पीड़ित मानवता के उत्थान और स्वास्थ्य लाभ के लिए समर्पित सेवाएँ

निःशुल्क हृदय रोग परामर्श शिविर

ब्यावर। राजस्थान

गायत्री शक्तिपीठ ब्यावर द्वारा दिनांक 28 जनवरी 2024 को निःशुल्क हृदय रोग परामर्श शिविर व व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. (प्रो.) मोहित शर्मा M. S. MCh. (C.T.V.S.) एसोसिएट प्रोफेसर, एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज जयपुर थे। उन्होंने वर्तमान भौतिकवादी जीवनशैली में आध्यात्मिक चिंतन व प्राकृतिक जीवन के अभाव को हृदय रोगों का प्रमुख कारण बताया।

डॉ. (प्रो.) मोहित शर्मा को वर्ष 2023 के लिए भारत के 10 प्रोमिसिंग कार्डियोलॉजिस्ट के रूप में नामित कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि वे स्वयं नित्यप्रति प्रातः काल 5:30 से 7:00 बजे तक अपनी व्यस्त चिकित्सकीय दिनचर्या में से समय निकालकर ऑनलाइन योग व प्राणायाम पर प्रशिक्षण देते हैं। देश-विदेश में हजारों अनुयायी उनकी इस विशिष्ट सेवा का लाभ ले रहे हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंध न्यासी प्रो. (डॉ.) गुरुदत्त शर्मा ने इस शिविर और व्याख्यान के महत्त्व पर प्रकाश डाला। अंत में मुख्य अतिथि श्री पुरुषोत्तम जी नामा (संयुक्त निदेशक भ्रष्टाचार निरोधक विभाग अभियोजन) व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. एच. के. आनन्दानी, वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ ने अपने उद्गार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कहानी पालीवाल, सत्यनारायण शर्मा, श्यामसुन्दर चितलांग्या, चेतन शर्मा, भगवानसिंह, कमल नयन आदि का विशेष सहयोग मिला।

हृदय रोगों का मुख्य कारण है आध्यात्मिक चिंतन और प्राकृतिक जीवन का अभाव।
– डॉ. मोहित शर्मा, सुविख्यात हृदयरोग चिकित्सक

इस शिविर में लगभग 25000/- रुपये की औषधियाँ भी रोगियों को मुफ्त वितरित की गई।

रोग मुक्ति एवं शरीर शुद्धि के लिए शिविर

कई रचनात्मक आन्दोलनों के लिए पहल हुई

चंद्रपुर। महाराष्ट्र

श्री वेदमाता गायत्री शक्तिपीठ, चंद्रपुर द्वारा पाँच दिवसीय आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। योग और प्राकृतिक आहार के आधार पर शरीर शुद्धि और रोग मुक्ति के अत्यंत प्रभावशाली परिणाम देखे गए। 27 भाई और 26 बहिनों सहित कुल 53 शिविरार्थियों ने शिविर में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न प्राकृतिक एवं यौगिक क्रियाओं के साथ फलाहार एवं सात्विक आहार के आधार पर 3 से 5 किलो वजन कम होने की तथा शुगर, ब्लड प्रेशर आदि रोगों में दवाएँ कम हो जाने की बात कही।

शक्तिपीठ प्रबंधन समिति के सदस्य डॉ. शैलेंद्रकुमार शुक्ल के अनुसार शिविर काल में प्रतिदिन प्रातः-सायं स्वस्थ जीवन, व्यक्ति निर्माण से समाज और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने प्रेरक उद्बोधन दिए। उनकी प्रेरणाओं ने शिविरार्थियों में समाज निर्माण की गतिविधियों में योगदान देने का उत्साह जगाया। शिविर के अंतिम दिन 5 कुंडीय यज्ञ में इस आशय के संकल्प लिए गए।

शिविर के लाभार्थी भाई-बहिन और प्राकृतिक चिकित्सा के विविध रूप

वृक्षारोपण अभियान

वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत जन्मदिन, विवाहदिन या अन्य किसी अवसर पर फलों के पौधों का पूजन करके चंद्रपुर के ग्रामीण अंचलों में उसका रोपण किया जाएगा। इस अभियान में शिविरार्थियों ने करीब 200 से ज्यादा पौधों को लगाने हेतु संकल्प लेकर उसकी राशि भी जमा कर दी। श्री मनोज मालवीय के नेतृत्व में यह कार्य सम्पन्न हो रहा है।

प्लास्टिक मुक्ति अभियान

डॉ. जुगल किशोर सोमानी के नेतृत्व में चंद्रपुर को प्लास्टिक की थैली से मुक्त करने की पहल की गई है। इसके लिए नगरवासियों से अनुपयोगी साड़ियाँ एवं अन्य कपड़े गायत्री शक्तिपीठ चंद्रपुर या लक्ष्मी नारायण मंदिर को दान करने का आह्वान किया गया। इनकी थैलियाँ बनाकर लोगों में मुफ्त बाँटी जाएँगी, ताकि प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग न हो।

गौरक्षण, गौ उत्पाद हेतु श्री अशोक शर्मा ने एवं प्राकृतिक खेती हेतु श्री आजाद सिंह ने संकल्प लिए हैं।

यह शिविर अत्यंत लोकप्रिय और उत्साहवर्धक था। जन्मभूमि आँवलखेड़ा से आए अनुभवी योगाचार्य तथा प्राकृतिक उपचारक श्री जितेन्द्र सिंह, श्री गिरीश श्रीवास्तव, श्री पन्नालाल मालवीय, श्री राजेंद्र तुमाने और उनके सहयोगियों ने प्राकृतिक उपचार व प्राकृतिक आहार शिविर का सफल आयोजन किया। लोगों की माँग पर हर वर्ष ऐसे शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

मुम्बई अश्वमेध यज्ञ की सफलता हेतु समर्पित रहा 55वाँ रक्तदान शिविर

205 यूनिट रक्तदान

जमशेदपुर । झारखण्ड

गायत्री परिवार टाटानगर के द्वारा आयोजित 55 वाँ रक्तदान शिविर मुम्बई अश्वमेध यज्ञ की सफलता के लिए समर्पित रहा। जमशेदपुर ब्लड बैंक बिस्टुपुर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 205 युवाओं ने रक्तदान किया। जमशेदपुर शाखा के मीडिया प्रभारी श्री दीपक कुमार के अनुसार नवयुग दल टाटा नगर सन् 2006 से ही नियमित रूप से रक्तदान शिविरों का आयोजन कर रहा है।

इस शिविर के मुख्य अतिथि श्री सतेंद्र प्रसाद शर्मा जी(भाजपा किसान मोर्चा के झारखण्ड प्रभारी) थे। उन्होंने रक्तदान अभियान के संयोजक श्री संजीव सिन्हा जी, प्रज्ञा महिला मंडल की अध्यक्षा बहन श्रीमती जसवीर कौर एवं नवयुगदल के संयोजक पुष्पेंद्र कुमार जी की गरिमामय उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार झारखण्ड के समन्वयक श्री संतोष कुमार राय भी उपस्थित रहे।

शिविर आयोजक नवयुगदल के समर्पित युवा

सन् 2006 से आयोजित हो रहे हैं शिविर

अंगदान का संकल्प लिया

टाटानगर। झारखंड

नवयुग दल टाटानगर के सदस्यों ने मुम्बई अश्वमेध महायज्ञ से प्रेरित होकर अंगदान का संकल्प लिया। दल संयोजकों के अनुसार यह संकल्प युवाओं की सामूहिक सामर्थ्य और उनकी सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाता है। वे इस दिशा में मुम्बई के युवाओं की तरह ही झारखंड के युवाओं की एकता और सामर्थ्य की मिसाल समाज के समक्ष प्रस्तुत करना चाहते हैं।

स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग प्रतियोगिताएँ

सूर्य नमस्कार की प्रतियोगिता में 15 से 85 वर्ष की आयु वाले लोगों ने भाग लिया

रायपुर। छत्तीसगढ़

जिला युवा प्रकोष्ठ एवं डिवाईन इंडिया यूथ एसोसिएशन के द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस एवं मकर संक्राति के अवसर पर गायत्री शक्ति पीठ समता कॉलोनी रायपुर में सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्री आशीष राय एवं अमित डोये ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 15 से 25 वर्ष, 26 से 40 वर्ष तथा 41 वर्ष से ऊपर के आयु वर्गों में रायपुर शहर के 75 प्रतिभागीयों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 85 वर्ष की उम्र वाले दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर के निवासी श्री एस.एल. श्रीवास्तव (से.नि. प्राध्यापक) की भागीदारी ने सभी दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने बताया कि वे बचपन से सूर्य नमस्कार करते आ रहे हैं। वे अभी भी अपने निवास के समीप के मैदान में प्रतिदिन 7 से 8 बजे तक लोगों को योगाभ्यास कराते एवं सिखाते हैं।

गायत्री परिवार की माधुरी ने प्रतिदिन 10 मिनट के सूर्य नमस्कार को दैनिक जीवन में चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए 'जिम' की परंपरा से ज्यादा प्रभावशाली बताया। उन्होंने सूर्य नमस्कार के फायदे विस्तार से बताए। यह प्रतियोगिता जोन समन्वयक श्रीमती आदर्श वर्मा एवं रायपुर के जिला समन्वयक श्री लच्छूराम निषाद के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई थी।

विशेष संगोष्ठी : कलेक्टर को गायत्री परिवार के नशामुक्ति अभियान की जानकारी दी

दुर्ग। छत्तीसगढ़

दुर्ग जिला कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में दिनांक 27 फरवरी 2024 को कलेक्टरेट सभागार में नशा मुक्ति अभियान पर विशिष्ट बैठक आयोजित हुई। इसमें दुर्ग पुलिस अधीक्षक, जिला शिक्षा अधिकारी, नोडल अधिकारी सहित गायत्री परिवार व अन्य कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस बैठक में गायत्री परिवार की युवा इकाई 'दिया' छत्तीसगढ़ के संयोजक डॉ. पी.एल. साव एवं डॉ. योगेंद्र कुमार ने गायत्री परिवार द्वारा स्कूल, कॉलेज, स्लम एरिया में विद्यार्थी, युवाओं एवं समस्त समाज को नशामुक्ति की प्रेरणा देने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम और उनके सत्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अपने पावर पॉइंट, नुक्कड़-नाटक, पोस्टर, रैली, भाषण जैसे कार्यक्रमों की जानकारी गणमान्यों को दी।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर सहित पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र शुक्ला, डॉ. जे.पी. मेश्राम जिला स्वास्थ्य अधिकारी, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी से बेनी भाई, कल्याणी नशामुक्ति केंद्र से श्री अजय कल्याणी के साथ समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थिति थे।

कुष्ठ रोगियों पर भाव-संवेदनाओं का सिंचन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश

ज्ञानयज्ञ के लिए समर्पित प्रयागराज के कर्मठ कार्यकर्त्ताओं की एक टोली श्री देवव्रत साहा राय के नेतृत्व में स्थानीय मिशन लैप्रोसी हॉस्पिटल पहुँची। अपने ज्ञानयज्ञ के नियमित क्रम में पीड़ितों के बीच पहुँची 20 से 25 परिजनों की टोली ने वहाँ उपचार करा रहे सभी मरीजों से व्यक्तिगत बातचीत की, उनका हालचाल पूछा, माँ गायत्री और पावन गुरुसत्ता से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की। उन्हें विपत्तियों में मनोबल बढ़ाने वाला परमपूज्य गुरूदेव का साहित्य, मिष्ठान व सम्मान स्वरूप शॉल भेंट किया गया। सदस्य बताते हैं कि कुष्ठ पीड़ितों की पीड़ा हृदय विदारक थी, लेकिन उनके साथ संवेदनाएँ साझा कर जो आत्मसंतोष मिला वह शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। यह अनुभव होता रहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है।

अब आप 01334-311001 पर फोन कर शान्तिकुञ्ज की नई स्वचालित फोन व्यवस्था (आईवीआर) से शान्तिकुञ्ज के विभिन्न विभागों से सीधा सम्पर्क कर सकते हैं।

राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञों की शृंखला से बढ़ती युग निर्माणी आस्था

तीन माह में 38 गाँवों में यज्ञ एवं 1594 विभिन्न संस्कार हुए

108 गाँवों में हो रहे हैं शृंखलाबद्ध आयोजन

धमतरी। छत्तीसगढ़

वन्दनीया माता जी के जन्म शताब्दी समारोह 2026 के उपलक्ष में धमतरी जिले में गाँव-गाँव 3,5,9 और 12 कुण्डीय गायत्री महायज्ञों की शृंखला चलाई जा रही है। जिला समन्वयक श्री दिलीप नाग ने बताया कि इस शृंखला में घर-घर युगशक्ति गायत्री की स्थापना के साथ हर घर को नशामुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। जिले में मात्र तीन माह-दिसंबर, जनवरी एवं फरवरी में 38 गाँवों में इस प्रकार के

यज्ञ कराती जिला स्तरीय टोली

सार्वजनिक यज्ञ आयोजित किए गए।

गाँव-गाँव भारतीय संस्कार परम्परा के पुनर्जीवन की दृष्टि से भी यह यज्ञ आन्दोलन अत्यंत सफल और प्रभावशाली सिद्ध हो रहा है। तीन माह में कुल 1594 विभिन्न संस्कार हुए। इनमें पुंसवन संस्कार 266, गुरु दीक्षा संस्कार 401, विद्यारंभ 567, जन्म दिवस 61, अन्न प्राशन 61, मुण्डन 172 , विवाह दिवस संस्कार 11 तथा 55 अन्य संस्कार हुए । नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत लगभग 3000 लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया जा चुका है।

श्री दिलीप नाग ने बताया कि इस अभियान में 108 गाँवों में यज्ञ कराने का लक्ष्य रखा गया है।

धमतरी जिले में चल रही यज्ञ शृंखला में भाग लेते परिजन और दीक्षा संस्कार कराते युवा

असम में चल रही है गायत्री यज्ञों की शृंखला

चाय बागानों में उत्साह, 900 लोगों ने ली गायत्री मंत्र की दीक्षा

गुवाहाटी। असम

गायत्री चेतना केन्द्र गुवाहाटी द्वारा असम के विभिन्न क्षेत्रों में पहली बार 1, 5, 9, 12 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं पावन श्रीमद् प्रज्ञापुराण कथा के कार्यक्रमों का शृंखलाबद्ध आयोजन हुआ। यह शृंखला 1 फरवरी से 24 फरवरी 2024 तक चली। इन क्षेत्रों में आदिवासी तथा स्थानीय असमियां लोगों की अभूतपूर्व भागीदारी रही। कलश यात्राओं में, यज्ञ और कथा में भी बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

उदालगुड़ी जिले के धरमजुली में, बाक्सा जिले के चाय बगान कुमारीकाटा में और उदालगुड़ी जिले के अत्रिघाट चाय बगान में आयोजित 9 से लेकर 12 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञापुराण कथाएँ प्रमुख आयोजन थे। अंतिम कार्यक्रम गुवाहाटी गायत्री चेतना केंद्र में 21 से 24 फरवरी की तिथियों में सम्पन्न हुआ।

आदर्श विवाह सहित विविध संस्कार करा रही हैं टोलियाँ

उपरोक्त कार्यक्रमों में 900 से ज्यादा लोगों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली, 150 से ज्यादा विद्यारंभ संस्कार एवं 15 जोड़ों के आदर्श विवाह संस्कार सहित अनेक संस्कार सम्पन्न हुए। श्री क्षिरोदेश प्रसाद देव, कविन्द्र डेका, जितेन्द्र कुमार आनंद, चन्द्रभान मौर्य की टोली ने इन्हें संपन्न कराया।

असम के एक कार्यक्रम में निकली भव्य कलश यात्रा और प्रज्ञा पुराण कथा से उत्साहित हुए श्रद्धालु

24 कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञों के भव्य आयोजन हुए

ईसाई बहुल क्षेत्र में

जशपुर। छत्तीसगढ़

ईसाई बहुल क्षेत्र जशपुर जिले के दुलदुला और तपकरा में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के दो अत्यंत सफल आयोजन सम्पन्न हुए। दुलदुला में 24 श्रद्धालुओं ने गायत्री महामंत्र की दीक्षा ली और 24 घरों में देवस्थापनाएँ हुईं। इसके अतिरिक्त 100 बच्चों के विद्यारंभ, 5 पुंसवन तथा अन्य संस्कार हुए। इससे पूर्व लगभग 500 कलशों की शानदार शोभायात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस कार्यक्रम को सम्पन्न कराने पहुँची टोली की आवास व्यवस्था डॉ. विपिन कुमार इंदीवर के घर की गई थी। कार्यक्रम के दूसरे दिन ही उनकी प्रोन्नति जिला औषधालय में जिला अधीक्षक के रूप में हो गई। माँ गायत्री के आशीर्वाद से वे गद्गद हो गए। उन्होंने सपत्नीक यज्ञ किया तथा मिशन से जुड़कर निरंतर कार्य करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

तपकरा के शिवालय और हनुमान मंदिर परिसर में 29 फरवरी से 3 मार्च की तिथियों में राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। इसकी कलश यात्रा में 3000 श्रद्धालु शामिल थे। मंदिर परिसर में नवनिर्मित गायत्री मंदिर में माँ गायत्री की प्राण प्रतिष्ठा की गई। पूरे जिले के श्रद्धालुओं सहित दर्जनों प्रतिष्ठित गणमान्यों ने यज्ञ में भाग लिया। कार्यक्रम में 80 दीक्षा-देवस्थापना और 150 विद्यारंभ संस्कार सहित विविध संस्कार हुए।

उपरोक्त दोनों कार्यक्रम श्री बुद्धदेव वर्मा, नेतराम सिन्हा, सोमार नागेश, अभिषेक वैष्णव एवं फूल साय की टोली ने सम्पन्न कराए।

भव्य आयोजन, अथाह आस्था

सोहसराय, नालंदा। बिहार

15 फरवरी से 18 फरवरी 2024 तक सोहसराय के सामने हनुमान पार्क में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन संपन्न हुआ।

यज्ञ का शुभारंभ लगभग 700 महिलाओं की भागीदारी के साथ निकाली गई भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। जन प्रतिनिधि श्रीमती संध्या सिंह, श्री दिलीप कुमार एवं श्री सुनील शाह ने कलश पूजन कर यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

16 फरवरी को देव पूजन में लगभग 100 जोड़ों ने भाग लिया। कार्यक्रम सम्पन्न कराने पहुँची श्री राम अवतार आचार्य की टोली ने यज्ञ के उद्देश्य की जानकारी दी। 17 फरवरी को सुबह में यज्ञ से पूर्व 7 गर्भोत्सव, 4 नामकरण, 4 अन्नप्राशन, 50 विद्यारंभ एवं 50 दीक्षा संस्कार संपन्न हुए। समापन दिवस पर दीक्षित परिजनों ने शान्तिकुञ्ज आकर संजीवनी सत्र करने तथा दीवार लेखन, वृक्षारोपण, साहित्य वितरण आदि गतिविधियों के लिए समयदान के संकल्प लिए।

सोहसराय में हुए संस्कार और दीपयज्ञ की झाँकी

पंचकूला में रामलला की प्रतिष्ठा के उत्सव में आयोजित दीपयज्ञ की दिव्य छटा

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया

पंचकूला। हरियाणा

01 फरवरी 2024 जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट पंचकूला की रेख देख में पंचकूला जिले के गाँव रिहौर, कस्बा बरवाला, दरिया रेलवे स्टेशन चंडीगढ़, मनीमाजरा ठाकुर द्वारा मंदिर ,सारंगपुर चंडीगढ़ में पाँच स्थानों पर चौबीस- चौबीस कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के आयोजन हुए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से हर क्षेत्र में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया गया।

सभी कार्यक्रम अत्यंत भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाए गए। पाँच सौ से अधिक बहिनों ने मंगल कलश यात्रा में भाग लिया। राम लला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ग्यारह हजार दीप प्रज्वलित किये गए।

शान्तिकुञ्ज से कार्यक्रम संचालन के लिए पहुँचे श्री पूरन चंद्राकर ने प्रज्ञा पुराण कथा के माध्यम से युगऋषि का संदेश देते हुए लोगों को बहुत प्रभावित किया। सैकड़ों लोगों ने गायत्री महामंत्र की दीक्षा ली, विद्यारंभ, पुंसवन तथा नशामुक्ति संस्कार भी बड़ी संख्या में सम्पन्न हुए। लोगों ने ऐसे प्रेरणाप्रद कार्यक्रम बार-बार आयोजित करने का आग्रह किया।

यह कार्यक्रम जिला गायत्री परिवार पंचकूला द्वारा श्री सुरेन्दर सिंह तोमर के मार्गदर्शन में सम्पन्न कराया गया। दरियापुर से नगर पार्षद सरदार श्री धर्मेन्दर सैणी, श्री संजय टंडन भाजपा प्रभारी चण्डीगढ व हिमाचल प्रदेश, श्रीमती रंजीता महत्ता चैयरपर्सन महिला व बाल विकास कल्याण हरियाणा प्रदेश, श्रीमती संदीप सन्धु प्रधान चण्डीगढ विकास परिषद व प्रोफेसर गुरु गोविंद सिंह खालसा कॉलेज आदि गणमान्यों ने यज्ञ में भाग लिया।

44 श्रद्धालुओं ने मुम्बई अश्वमेध महायज्ञ में समयदान के संकल्प लिये

डांग। गुजरात

डांग जिले के बिजुरपाड़ा गाँव में दिया सूरत द्वारा पंच कुंडीय गायत्री यज्ञ और संस्कार के साथ-साथ वेद स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबीर तालुका के 15 गाँवों से आए लगभग 500 साधकों और स्कूली बच्चों ने इसमें भाग लिया। इस कार्यक्रम में पुंसवन संस्कार, विद्यारंभ संस्कार, अन्न प्रासन संस्कार और नामकरण संस्कार, कुल 108 संस्कार हुए। कार्यक्रम में समाज के विकास में वेदों के महत्त्व पर विस्तार से चर्चा हुई, जिसके प्रभाव से 8 घरों में विधि-विधानपूर्वक पूजन करने के साथ वेदों की स्थापना की गई।

यज्ञ के संग मनाया गया वेद स्थापना समारोह

सम्मान : डांग जिले के कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्वों, संस्कृति के संरक्षकों का सम्मान युगसाहित्य एवं गायत्री मंत्र का उपवस्त्र भेंट कर किया गया।

इस कार्यक्रम से प्रेरित होकर डांग जिले के 44 युवा मुम्बई में आयोजित अश्वमेध यज्ञ में समयदान करने के लिए संकल्पित हुए।

गाँव को नशामुक्त बनाने का संकल्प

कण्डेल, धमतरी। छत्तीसगढ़

गौरव ग्राम कण्डेल के माँ दन्तेश्वरी मंदिर प्रांगण में गायत्री परिवार एवं समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से पाँच दिवसीय 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया। कथा वाचक आचार्य चेलक दास वैष्णव ने जीवन में सद्गुरु का महत्त्व बताया। उन्होंने कहा कि बिना सदगुरु के ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती। सद्गुरु सफलताओं का मार्ग प्रशस्त करता है।

जिला समन्वयक दिलीप नाग

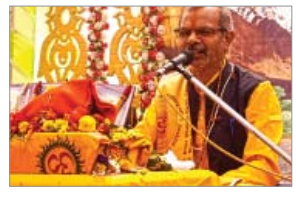

द्वारा कण्डेल को नशामुक्त गाँव बनाने का संकल्प कराया गया। इस कार्यक्रम में 44 गुरुदीक्षा संस्कार, 5 पुंसवन, 120 विद्यारंभ, 28 मुण्डन, 2 यज्ञोपवीत संस्कार कराए गए। अंतिम दिवस पूर्णाहुति के अवसर पर बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आज शिक्षा का जरूरी अंग यह होना चाहिए कि युवक जीवन संग्राम में असत्य को सत्य से, घृणा को प्रेम से और हिंसा को कष्ट-सहिष्णुता से जीतना सीख सके। - महात्मा गाँधी

बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए समर्पित सेवाएँ

वार्षिकोत्सव

बाल संस्कार शाला की एक वर्ष की उपलब्धियाँ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश

गायत्री प्रज्ञा मण्डल प्रीतिनगर लखनऊ द्वारा 8 से 11 फरवरी की तिथियों में प्रज्ञा पुराण कथा एवं गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री इंद्रेश कुमार मिश्र और श्रीमती निष्ठा रस्तोगी द्वारा प्रीती नगर में संचालित बाल संस्कार शाला का वार्षिकोत्सव भी था। उल्लेखनीय है कि एक वर्ष पूर्व यज्ञ व कथा का ऐसा ही कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उसमें बाल संस्कार शाला आरंभ करने के संकल्प

बाल संस्कार शाला में नियमित रूप से भाग लेने वाले बच्चे

उभरे, क्रियान्वित हुए और पिछले एक वर्ष से यह बाल संस्कारशाला पूरी तन्मयता से बच्चों के व्यक्तित्व विकास में संलग्न है।

श्रीमती निष्ठा रस्तोगी ने बताया कि उनकी बाल संस्कार शाला में 30 बच्चे नियमित रूप से भाग ले रहे हैं। साप्ताहिक नैतिक शिक्षा एवं अन्य गतिविधियों के अलावा इन बच्चों को नृत्य, गायन, भाषण, मंत्रलेखन, वादन, चित्रकला, पुस्तक कला, योग, कविता आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है, पर्व त्यौहारों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उनका प्रदर्शन भी किया जाता है। इस कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया। योग्यता के अनुरूप सभी बच्चों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री ज्ञान श्रीवास्तव और शक्तिपीठ दुगांवा की बहिनों की टोली ने किया।

युग निर्माण आन्दोलन के लिए समर्पित है विद्यालय

विद्यार्थियों की प्रतिभा से प्रभावित हैं अभिभावक और समाज

पानीपत। हरियाणा

परम पूज्य गुरुदेव द्वारा बताये गए युग निर्माण आन्दोलन के सूत्रों को अपनाकर बच्चों के व्यक्तित्व विकास तथा समाज के नवनिर्माण के लिए समर्पित पं. कांशीराम विद्या मंदिर गाँव मोड़वाल माजरी ने 10 मार्च 2024 को बड़े उत्साह और उत्साहवर्धक वातावरण में वार्षिकोत्सव मनाया। इस अवसर पर कई गाँवों से आये अभिभावक उपस्थित रहे। विद्यालय के बच्चों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार एवं संस्कृति पर आधारित अत्यंत मनमोहक और प्रेरणादायी कार्यक्रम प्रस्तुत किये, जिन्हें देखकर उनके अभिभावक भी अभिभूत थे।

विद्यालय के व्यवस्थापक श्री कर्ण सिंह, सेवा निवृत्त प्राचार्य ने बताया कि उनका विद्यालय केवल शिक्षण संस्थान नहीं, गायत्री परिवार की अत्यंत सक्रिय शाखा है जो आसपास के गाँवों में 9 से लेकर 24 कुण्डीय यज्ञों तक का आयोजन कराती है, अखण्ड ज्योति पत्रिकाओं का वितरण करती है, गाँव-गाँव संस्कार परम्पराओं को प्रोत्साहित कर रही है, विविध पर्व-त्यौहारों के आयोजन भी कराए जाते हैं।

विद्यालय की प्रार्थना सभा का शुभारंभ गायत्री मंत्र के साथ होता है। हर विद्यार्थी को गायत्री मंत्र का अर्थ याद है। माह के अंत में सामूहिक जन्मदिन संस्कार मनाए जाते हैं। व्यवस्थापक महोदय ने बताया कि इन सबके उत्कृष्ट परिणाम स्पष्ट दिखाई देते हैं। इस विद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा के साथ खेल-कूद एवं विविध कला प्रतियोगिताओं में अग्रणी रहते हैं। अच्छे उच्च विद्यालयों में उन्हें प्रवेश मिल रहा है।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

पुरस्कार वितरण समारोह

श्री संजय कुमार विभूति द्वारा बच्चों को दिए गए प्रमाण पत्र

बगोदर, गिरिडीह। झारखण्ड

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की बगोदर प्रखण्ड इकाई ने परीक्षा में भाग लेने वाले विभिन्न विद्यालयों में पहुँचकर अग्रणी रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया। श्री संजय कुमार विभूति ने बताया कि बगोदर के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, प्लस टू सरदार पटेल हाईस्कूल, गोपालदी प्लस टू हाईस्कूल, साइंस प्रोग्रेस स्कूल, संत थॉमस स्कूल, शुभम आदर्श स्कूल घाघरा में पहुँचकर प्रत्येक विद्यार्थी और सहयोगी शिक्षकों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। पूरे क्षेत्र में अगले वर्ष और भी उत्साह के साथ परीक्षा में भागीदारी करने का उत्साह बच्चों में उभरा है।

भासंज्ञाप में शामिल हुए असम के 20 विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थी

गुवाहाटी। असम

असम राज्य में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा इकाई ने 7 फरवरी को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित कर कामरूप मण्डल के विद्यार्थियों को सम्मानित किया। गत वर्ष कामरूप मण्डल के 20 विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे।

पुरस्कार समारोह मालीगाँव के नेताजी विद्यापीठ रेलवे सभागार में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि

मालीगाँव के समारोह में पुरस्कृत बच्चे मुख्य अतिथि के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती प्रतिभा सिन्हा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने नवोदित पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और उसके उत्कृष्ट मूल्यों से परिचित कराने वाले गायत्री परिवार के इस अनूठे प्रयास की सराहना की।

परीक्षा का आयोजन श्री निर्मल अग्रवाल और श्री राजेश तायल के मार्गदर्शन में हुआ। वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों को पदक और नकद पुरस्कार दिए गए। प्रतिभागी विद्यालयों को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन सुश्री ताशी तायल ने किया।

कन्या कौशल/युवा अभ्युदय संगोष्ठी

बस्ती। उत्तर प्रदेश

गायत्री परिवार बस्ती की युवा इकाई 'दिया' द्वारा 6 दिवस की कन्या कौशल/ युवा अभ्युदय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 10,000 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें जीवन जीने की कला, आत्म निर्माण से राष्ट्र

निर्माण की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित-प्रशिक्षित किया गया। पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्ष और झोले बाँटे गए। कार्यक्रम सम्पन्न कराने खण्डवा, मध्य प्रदेश से श्री बृजेश पटेल, सुश्री पूर्णिमा, सुश्री तनु की टोली पहुँची थी।

बस्ती शहर के शैक्षणिक संस्थान जी.जी.आई.सी बस्ती, पैरामेडिकल कॉलेज परशुरामपुर, आर्य कन्या इंटर कॉलेज दुबौलिया, रामबाग, प्रॉक्सिस विद्यापीठ, महिला डिग्री कॉलेज बस्ती ने इस कार्यशाला को आज के युवाओं की आवश्यकता बताया।

बसंत पर्व पर हुए कार्यक्रम

35 भाई-बहिनों ने किया रक्तदान

छतरपुर। उत्तर प्रदेश

छतरपुर शाखा ने परम पूज्य गुरुदेव के आध्यात्मिक जन्म दिवस-वसंत पंचमी, 14 फरवरी 2024 के दिन रक्तदान शिविर का आयोजन कर पीड़ित मानवता की सेवा करते हुए गुरुसत्ता को भावभरी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह शिविर गायत्री शक्तिपीठ छतरपुर के सहयोग से जिला चिकित्सालय में यह शिविर आयोजित हुआ, जिसमें 35 भाई-बहिनों ने रक्तदान किया। श्री विवेक आसाटी ने अपनी पत्नी एवं पुत्र सहित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। ब्लड बैंक से श्री आर.के. पटैरिया, श्री रामेश्वर दयाल चौरसिया, श्री हिमांशु खरे उपस्थित रहे। रक्तदान कर परिजन आत्मसंतोष का अनुभव कर रहे थे।

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का सम्मान

कुरुद, धमतरी। छत्तीसगढ़

गायत्री शक्तिपीठ कुरुद में बसंत पंचमी पर्व तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ मनाया गया। इस विशिष्ट अवसर पर अनेक लोगों ने विभिन्न संस्कार कराए। शक्तिपीठ कुरुद की प्रमुख प्रबंध ट्रस्टी श्रीमती साधना देवांगन ने बताया कि पावन बसंत पर्व पर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा वर्ष 2023 में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले कुरुद ब्लॉक की विभिन्न शालाओं के उपस्थित 15 शिक्षक-शिक्षिकाओं का श्रीफल और साहित्य भेंट कर सम्मान किया गया। भा.सं.ज्ञा. परीक्षा में भाग लेने वाले कुरुद ब्लॉक के प्रतिभावान

छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र, देवस्थापना चित्र, गायत्री मंत्र लेखन पुस्तिका एवं साहित्य भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शत्रुघ्न साहू ने किया।

'प्रखर प्रज्ञा, सजल श्रद्धा' की प्राण प्रतिष्ठा

खैरथल-तिजारा। राजस्थान

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर राजस्थान के नवगठित जिला खैरथल-तिजारा के टपूकड़ा कस्बे में जोहड़ वाले मंदिर प्रांगण में संचालित गायत्री चेतना केन्द्र में 'प्रखर प्रज्ञा-सजल श्रद्धा' की स्थापना हुई। इस स्थापना से पूर्व दिनांक 8 फरवरी से 13 फरवरी तक प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन हुआ। लोकप्रिय प्रज्ञा पुराण कथावाचक पं. श्याम सुंदर शर्मा ने जनभावनाओं के अनुरूप परम्परागत भागवत कथा के प्रसंगों के साथ पावन प्रज्ञा पुराण के सूत्रों का बड़ी कुशलता के साथ समायोजन किया। यह कथा समाज की विचारधारा को समय की आवश्यकता के अनुरूप दिशा देने का प्रशंसनीय प्रयास था।

इस कथा में व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, समाज/राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य के साथ नशा मुक्ति, बिना दहेज की शादी, मृत्यु भोज निषेध, नारी सशक्तीकरण जैसे विषयों पर मार्मिक चर्चा हुई।

बसंत पर्व पर पाँच कुण्डीय यज्ञ के साथ गुरुस्मारकों की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर नगरपालिका टपूकड़ा के अध्यक्ष सहित भिवाडी, तिजारा, किशनगढ़ बास, खैरथल, अलवर के गायत्री परिजनों और शहर के सभी वर्गों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

बच्चों के सामूहिक विद्यारंभ संस्कार

बायें राजनांदगाँव में और दायें मुजगहन में हुए विद्यारंभ संस्कार

राजनांदगाँव। छत्तीसगढ़

गायत्री विद्या मंदिर (हिन्दी माध्यम) कंचन बाग में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर तीन कुण्डीय यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसका संचालन शाला के विद्यार्थियों ने किया। कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने हवन कर माँ सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर नव प्रवेशी विद्यार्थियों का विद्यारंभ संस्कार किया गया। प्राचार्य सुश्री सीमा श्रीवास्तव ने बच्चों के पालकों से कहा कि बच्चों में बचपन से संस्कार के बीज बोए जायें तो वे अच्छे नागरिक बन सकते हैं।

मुजगहन, धमतरी। छत्तीसगढ़

धूनादास मंदिर प्रांगण स्थित प्रज्ञापीठ मुजगहन में महिला मण्डल द्वारा वसंत पर्व पर विशिष्ट यज्ञ का आयोजन सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक दिलीप नाग ने कहा कि बसंत पंचमी पर्व हमें कुछ करने एवं कुछ बनने की, बहुमूल्य मानव जीवन का सदुपयोग करने की प्रेरणा देता है।

यज्ञ के माध्यम से पवित्र वेद मंत्रों के साथ 7 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार कराया गया। प्रज्ञापीठ के संचालक राधेश्याम साहू एवं होमेश्वर साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भावभरी श्रद्धांजलि

कोलकाता। प. बंगाल

परम पूज्य गुरुदेव और उनके मिशन के प्रति अनन्य भाव से समर्पित श्री अशोक केड़िया जी का फरवरी 2024 को देहावसान हो गया। उनकी बंगला भाषा में अखण्ड ज्योति पत्रिका एवं अन्य पुस्तकों के प्रकाशन में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके निधन पर धर्मपत्नी श्रीमती वीणा जी, पुत्र नितिन-रिंकी को अपनी गहन संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया शैल जीजी ने कहा कि गायत्री परिवार कोलकाता, शान्तिकुञ्ज एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय ने अपना एक स्वजन,युग सेनानी खोया है।

मेवाड़ की भूमि पर 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ

नए संगठन, नई ऊर्जा के साथ जन-जन तक युग साहित्य पहुँचाने, घर-घर को व्यसनमुक्त बनाने के संकल्प उभरे

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी की मुख्य उपस्थिति में यज्ञ संचालन कर रही शान्तिकुञ्ज की टोली

कपासन, चित्तौड़गढ़। राजस्थान

''दीप हूँ जलता रहूँगा, मैं प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ता रहूँगा।'' परम पूज्य गुरुदेव के इसी भाव-संकल्प को हृदय में धारण कर गायत्री परिवार के युवा आदर्श आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी 4 मार्च 2024 को राजस्थान में शूरवीरों की धरती मेवाड़ में नवजागरण का संदेश देने पहुँचे थे। उन्होंने कपासन में आयोजित 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में सक्रिय योगदान देने वाले श्रद्धावान, कर्मठ, भावनाशील, सेवाभावी, श्रमशील कार्यकर्त्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने यज्ञ में भाग ले रहे गणमान्य अतिथियों और श्रद्धालुओं को अनेक उदाहरणों के साथ जीवन को यज्ञमय बनाकर श्रेष्ठता का वरण करने की प्रेरणा दी, ताकि भगवान के दिये मानव जीवन का श्रेष्ठतम उपयोग करते हुए आनन्दपूर्वक जिया जा सके और गौरव का अनुभव किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय की माँग और मानवता के कल्याण के लिए जीवन को खपा देना सच्चा युगधर्म है, सच्चा यज्ञ है, जिससे प्रसन्न होकर युग देवता से अक्षय पुण्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

स्थानीय परिजनों से आह्वान

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने कपासन के यज्ञ में भाग ले रहे श्रद्धालुओं से परम पूज्य गुरुदेव के विचारों को उनके साहित्य के माध्यम से घर-घर पहुँचा देने की और समाज को नशामुक्त करने के लिए क्रान्तिकारी अभियान चलाने की अपील की।

कपासन में आयोजित विराट 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ कई उपलब्धियों के साथ संपन्न हुआ। कपासन में नए प्रज्ञा मंडल एवं महिला मंडल का गठन कर नया संगठन खड़ा किया गया। एक चेतना केंद्र की स्थापना की गई, जिसके माध्यम से सप्त आन्दोलनों को जन-जन में पहुँचाने का संकल्प लिया गया। हजारों लोगों ने मेवाड़ क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए पर्याप्त वर्षा की कामना के साथ विशेष यज्ञ आहुतियाँ प्रदान कीं।

स्वागत-अभिनंदन

प्रवास का शुभारंभ उदयपुर से हुआ। उदयपुर हवाई अड्डे पर राजस्थान के अग्रणी कार्यकर्त्ताओं ने राजस्थान की पारंपरिक रीति से उनका भव्य स्वागत किया। कपासन में देवमंच पर कपासन गायत्री परिवार ट्रस्ट के देवेंद्र जी सोमानी, बादशाह सिंह जी, संपत जी सुथार, दिलीप जी बारेगामा, लक्ष्मी लाल जी आचार्य, राधेश्याम जी, राजेन्द्र जी ने आदरणीय डॉ. चिन्मय जी का माला पहनाकर अभिवादन किया।

आद.डॉ. चिन्मय जी के संग आयोजकगण, शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि और दायें यज्ञ में सहयोग करने वाले बच्चे

महायज्ञ की विशिष्ट उपलब्धियाँ

प्रयाज : प्रयाज के क्रम में 108 गाँवों में ग्रामतीर्थ यात्रा के माध्यम से व्यसन मुक्ति, देव स्थापना, गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ और विचार विस्तार का अभियान चलाया गया।

कलश यात्रा : विभिन्न संस्थाओं से विद्यालयों से विराट कलश यात्रा में संस्थाओं की झांकियों के माध्यम से व्यसन मुक्ति का संदेश दिया, पर्यावरण व प्रकृति बचाओ का संदेश दिया। महापुरुषों और संतों की झांकियों के साथ नगर के नर-नारियों ने भाग लिया।

संस्कार : सैकड़ों बहिनों के पुंसवन संस्कार हुए। दीक्षा, विद्यारंभ एवं नामकरण संस्कार भी बड़ी संख्या में संपन्न हुए।

विद्यार्थियों का सहयोग : स्वामी हितेश जी महाराज, चेतन दास जी महाराज के आश्रम में पढ़ने वाले 125 विद्यार्थियों ने गायत्री परिवार की बहिनों के साथ यज्ञशाला का कार्य सँभाला।

विशिष्ट गणमान्य : सांसद, विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष आदि अनेक गणमान्यों ने यज्ञ में भाग लिया और गायत्री परिवार के व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण एवं समाज निर्माण के कार्यों की सराहना की।

मेरठ में आध्यात्मिक क्रान्ति

51 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विशाल दीपमहायज्ञ

मेरठ। उत्तर प्रदेश

क्रान्तिकारियों की भूमि में 51 कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ एवं विशाल दीपयज्ञ सम्पन्न हुआ। इसमें दिनांक 4 मार्च को दीप महायज्ञ के सुअवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं और युगसृजेताओं में अभिनव आध्यात्मिक क्रान्ति के भावों का संचार करने आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी उपस्थित थे। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में अनेक मार्मिक दृष्टांतों के साथ इस जीवन में परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीया माताजी के रूप में भागवत चेतना का सान्निध्य प्राप्त होने के सुयोग का लाभ लेने, आदर्शोन्मुख जीवन जीने और अपने जीवन को धन्य बनाने की प्रेरणाएँ दीं।

2 मार्च से 5 मार्च तक की तिथियों में सम्पन्न इस महायज्ञ का शुभारंभ 2 मार्च को प्रातः 2100 कलशों की भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में शामिल माँ गायत्री, भारत माता, महाकाल, यज्ञ करते हुए ऋषिगण की झाँकियाँ कलश यात्रा का विशिष्ट आकर्षण थीं।

कार्यक्रम सम्पन्न कराने शान्तिकुञ्ज से श्री श्याम बिहारी दुबे जी की टोली पहुँची थी। उनके द्वारा 3 से 5 मार्च की तिथियों में किए गए भावपूर्ण देवपूजन, यज्ञ तथा सरस कथा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी परिजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने समाज में व्याप्त बुराइयों और घर-परिवारों में होने वाली परेशानियों की ओर ध्यान आकर्षित किया तथा परम पूज्य गुरुदेव द्वारा बताये गए उनके समाधान सुझाये। उन्होंने कहा कि गायत्री उपासना हर कष्ट-कठिनाई का अचूक समाधान है।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी महायज्ञ की सफलता में सहयोगी कार्यकर्त्ताओं को सम्मानित करते हुए तथा नीचे दीपयज्ञ के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालु श्रोतागण

कार्यक्रम में मेरठ नगर निगम महापौर श्री हरिकांत अहलूवालिया जी, अमर उजाला संपादक के श्री राजेंद्र सिंह जी सहित अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्थानीय प्रशासन एवं मीडिया का प्रशंसनीय सहयोग मिला। सर्वश्री जी.के. अग्रवाल, ओमकार सहरण, दुष्यंत रोहटा, जितेंद्र मलिक सहित सैकड़ों परिजनों का अतुलनीय योगदान रहा।

राजधानी क्षेत्र में सनातन संस्कृति के सूत्रों को घर-घर पहुँचाने का आह्वान

51 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विशाल दीपमहायज्ञ

इस यज्ञ में क्षेत्र के लगभग 200 नये परिवार और 30 युवा दीक्षा संस्कार के माध्यम से मिशन से जुड़े।

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश

एन सी आर दिल्ली क्षेत्र के शहर ग्रेटर नोएडा में दिनांक 7 से 9 मार्च 2024 की तिथियों में 51 कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ का आयोजन नॉलेज पार्क-4 स्थित ग्राउंड में संपन्न हुआ। दिनांक 8 मार्च-महाशिवरात्रि एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के पावन दिन आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्डया जी और शेफाली दीदी ने इस यज्ञ में उपस्थित होकर क्षेत्र के परिजनों का उत्साह बढ़ाया। आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्डया जी ने अपने उद्बोधन में सनातन संस्कृति को समाज के हर वर्ग और युवाओं तक पहुँचाने तथा मिशन के सप्त सूत्रीय कार्यक्रमों से जोड़ने का आह्वान किया। आदरणीया शेफाली जीजी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नारी जागरण अभियान को गतिशील बनाने के संकल्प कराये ।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी और आदरणीया शैफाली जीजी नोएडा के यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए

यह आयोजन गायत्री चेतना केन्द्र नोएडा के व्यवस्थापक श्री बालरूप शर्मा जी के मार्गदर्शन तथा प्रज्ञा विस्तार केन्द्र के व्यवस्थापक श्री महेश कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस यज्ञ में पूरे एन सी आर दिल्ली क्षेत्र के अधिकांश कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों ने अपनी सेवायें दीं। ग्रामीण क्षेत्र के शौलाना केन्द्र से श्री रामकिशन शर्मा, राकेश शर्मा जी की पूरी टीम तथा स्थानीय स्तर पर श्री संजीव शर्मा, मुकेश त्यागी, सुनील शर्मा, अमितेश गोयल, नीटू राघव, आरती शर्मा, प्रमिला सिंह और प्रज्ञा शुक्ला की टीम का समयदान अत्यंत सराहनीय रहा।

एअरफोर्स स्टेशन में हुआ नौ कुण्डीय यज्ञ

सरसावा, सहारनपुर। उत्तर प्रदेश

एयर फोर्स स्टेशन सरसावा के दिव्य प्रांगण में दिनांक 3 मार्च 2024 को नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का अत्यंत सफल आयोजन हुआ। इस यज्ञ में एयर फोर्स स्टेशन के सभी वरिष्ठतम ऑफिसर्स ने परिवार सहित भाग लिया। शान्तिकुञ्ज से पहुँचे प्रो. प्रमोद भटनागर ने जीवन की सफलता में गायत्री उपासना और यज्ञ के दर्शन पर प्रकाश डाला। सभी गणमान्य परिजनों को पूज्य गुरुदेव के सत साहित्य एवं मंत्र लेखन के साथ गंगा जली किट प्रदान की गई।

यज्ञ करते सेना के अधिकारी और उनके परिवारी जन

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में दो मासीय प्रशिक्षण शिविर

पूर्वोत्तर राज्यों में युगचेतना के विस्तार के लिए गढ़े जा रहे हैं परिव्राजक

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में पहली बार पूर्वोत्तर राज्यों के लिए विशिष्ट परिव्राजक प्रशिक्षण शिविर आगामी 11 जून 2024 से 10 अगस्त 2024 तक के लिए प्रवेश प्रारम्भ किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से ऐसे परिव्राजक तैयार किए जाने की योजना है जो असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम आदि पूर्वोत्तर राज्यों में अपनी सेवा प्रदान करने में निष्णात हो सकेंगे।

शिविर के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में रहना अनिवार्य होगा। सफलतापूर्वक शिविर पूरा कर परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले परिव्राजकों को देव संस्कृति विश्वविद्यालय से प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। इस शिविर में भाग लेने के लिए अर्हताएँ इस प्रकार हैं :

1. उम्र 18 से 40 वर्ष 2. न्यूनतम 10वीं पास होना अनिवार्य है।
3. शारीरिक व मानसिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ।
4. शिविर के पश्चात् कम से कम दो वर्ष का समयदान पूर्वोत्तर राज्यों में अनिवार्य होगा। इस दौरान भोजन, आवास एवं मानदेय दिया जाएगा।

समाज, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा के लिए साहसी कदम बढ़ायें, गुरुसत्ता के अनन्त अनुदान पाकर जीवन सफल बनायें।

शिविर में भागीदारी के लिए संपर्क कर पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर लीजिए।

संपर्क सूत्र - पूर्वोत्तर जोन, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
श्री एम.के. शर्मा, मोबाइल नंबर- **9258369614**
Email id: northeast@awgp.org

चिड़ियों की तरह हवा में उड़ना और मछलियों की तरह पानी में तैरना सीखने के बाद अब हमें इनसानों की तरह पृथ्वी पर चलना सीखना है। - डॉ. राधाकृष्णन

युवा अभ्युदय 2024

देश के कर्णधारों को जीने की राह दिखाने एवं युगधर्म बताने का प्रशंसनीय प्रयास

देश-दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने में युवाओं की भूमिका अहम है। -डॉ. चिन्मय जी

दिनांक 3 मार्च 2024 को दौलत राम ऑडिटोरियम (डीयू-नॉर्थ कैंपस), नई दिल्ली में 'दिया' दिल्ली का वार्षिक युवा कार्यक्रम 'युवा अभ्युदय 2024' सम्पन्न हुआ। यह नई पीढ़ी के युवाओं में 'विचार क्रांति' के बीज बोने का प्रशंसनीय प्रयास था। यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 2500 से अधिक छात्रों, युवाओं और कामकाजी पेशेवरों ने इसमें भाग लिया। अधिकांश युवा इस प्रकार का प्रगतिशील चिंतन और जीवन जीने की प्रेरणा देने वाले ऐसे कार्यक्रम में पहली बार शामिल हुए थे।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी, प्रति कुलपति देव संस्कृति विश्वविद्यालय इस सम्मेलन के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आने वाले समय में सकारात्मक बदलाव लाने में युवाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने हर युवा को उसकी वास्तविक सामर्थ्य का अनुभव कराते हुए सभी के दिलों को छू लिया।

श्री गोविंद जायसवाल, आईएएस (संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय) ने अपना उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बड़े सपने देखने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लगातार कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि वे एक रिक्शा चालक के बेटे के रूप में जाने जाते हैं, जो अपनी कड़ी मेहनत से आई.ए.एस. बनने में सफल हुए हैं।

मंचासीन आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी एवं अन्य गणमान्यों से प्रेरणा प्राप्त करते विद्यार्थी-युवा

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ओ.पी. चौधरी (वित्त मंत्री छत्तीसगढ़ सरकार और पूर्व आईएएस अधिकारी) ने भी एक साधारण व्यक्ति से आईएएस और राजनेता बनने का संघर्षपूर्ण जीवन वृत्तांत सुनाते हुए सभी में सफलता प्राप्ति के लिए उत्साह जगाया। उन्होंने कहा कि भारत का यह अमृत काल राष्ट्र निर्माण के लिए काम करने का अच्छा समय है।

कार्यक्रम का समापन देश भक्ति एवं युवा शक्ति विषय पर बाल संस्कारशाला के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुआ। उल्लेखनीय है कि यह बाल संस्कार शाला के वे बच्चे थे, जो विभिन्न झुग्गी बस्तियों में रहते हैं, जिनके व्यक्तित्व विकास के लिए दिया दिल्ली कई वर्षों से सक्रिय है।

- डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से दिया, दिल्ली की गतिविधियों का परिचय कराते हुए सभी से उनसे जुड़कर अपने व्यक्तित्व को निखारते हुए बेहतर सफलता की पात्रता विकसित करने का आह्वान किया गया।
- युवा अभ्युदय 2024 एक 'प्लास्टिक मुक्त कार्यक्रम' था। आयोजकों ने यह स्वस्थ परम्परा आगे भी बनाए रखने का संकल्प लिया।
- विचार क्रांति अभियान में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

दिल्ली एनसीआर की विभिन्न शाखाओं ने डॉ. इंद्रपाल आर्य, श्री सज्जन शर्मा, श्री दिनेश शर्मा, श्री आलोक श्रीवास्तव, श्री अविनाश आहूजा आदि के मार्गदर्शन में विविध व्यवस्थाएँ सँभालकर कार्यक्रम की सफलता में प्रशंसनीय योगदान दिया।

गायत्री चेतना केंद्र नोएडा के व्यवस्थापक श्री बालरूप शर्मा, देसंविवि के प्रतिनिधि डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा और शान्तिकुञ्ज की संगीत व आईटी की टोली ने अहम भूमिका निभाई।

श्री गोविंद जायसवाल, आईएएस (संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय) और श्री ओ.पी. चौधरी (वित्त मंत्री छत्तीसगढ़ सरकार और पूर्व आईएएस अधिकारी) ने दिखाई परीक्षा में बेहतर सफलता और जीवन में उत्कृष्टता की राहें।

विश्व पुस्तक मेले में गायत्री परिवार की भागीदारी

दिल्ली। एनसीआर

इस वर्ष नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 10 से 18 फरवरी की तिथियों में विश्व पुस्तक मेले का आयोजन हुआ। हर बार की तरह इस बार भी अखिल विश्व गायत्री परिवार ने इस मेले में एक विशाल साहित्य प्रदर्शनी लगाकर परम पूज्य गुरुदेव के क्रान्तिकारी विचारों को जन-जन तक पहुँचाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। साहित्य प्रेमियों के साथ-साथ अनेक शोधार्थी विद्यार्थी, प्रोफेसर, संत, मीडियाकर्मी एवं गणमान्य शान्तिकुञ्ज के पटल पर आए। सभी पूज्य गुरुदेव के विचारों से पूर्व परिचित थे। उन्होंने इन विचारों की सराहना की और अपने अनुभव भी बताए, बड़ी मात्रा में अपनी रुचि का साहित्य खरीदा।

लोगों ने बच्चों के लिए नैतिक शिक्षा संबंधी पुस्तकों और महापुरुषों की जीवनियों को अद्वितीय और दुर्लभ बताया। 'मैं क्या हूँ?', 'सफल जीवन की दिशाधारा' जैसी आत्म-जिज्ञासा परक पुस्तकों के साथ स्वास्थ्य संबंधी साहित्य और आर्ष साहित्य की विशेष माँग रही।

गायत्री परिवार के साहित्य पटल की व्यवस्थाएँ सँभालने वाले प्रमुख कार्यकर्त्ता और पटल पर दिख रही दर्शकों की चहल-पहल

पुस्तक मेले के सफल आयोजन में गायत्री चेतना केन्द्र नोएडा, राजधानी क्षेत्र के सभी शक्तिपीठों-शाहदरा, हिण्डन तट, गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद एवं सभी मण्डलों का सहयोग रहा।

प्रमुख विशेषताएँ

- समाज के प्रबुद्ध वर्ग तक पूज्य गुरुदेव के विचार पहुँचे।
- पाँच लाख रुपये का साहित्य बिका।
- श्री सुनील कुमार जी (कैबिनेट सेक्रेटरी भारत सरकार), स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज, डॉ. सत्यनारायण दास (जीवा संस्थान के निदेशक), डॉ. नरेश शर्मा (कैलाश स्वास्थ्य ग्राम एवं कामधेनु ट्रस्ट के संस्थापक) का आगमन हुआ। सभी गणमान्यों का भावभरा स्वागत किया गया।
- पत्रकार, मीडियाकर्मी और यूट्यूबर्स ने पूज्य गुरुदेव के साहित्य की जानकारी ली और उसके प्रचार-प्रसार में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

गायत्री परिवार के साहित्य पटल पर पधारे संतों का स्वागत

दिव्यांगों द्वारा गायत्री उपासना-साधना का विश्व रिकॉर्ड श्रद्धेय द्वय को समर्पित

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को गायत्री उपासना-साधना के लिए प्रेरित कर रहीं सूरत, गुजरात की हेमांगिनी देसाई की प्रेरणा, प्रयास से विगत 5 दिसम्बर 2023 को एक विश्व कीर्तिमान स्थापित हुआ है। उस दिन पूरे गुजरात के 32 शैक्षणिक संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों के विभिन्न श्रेणियों के 3100+ दिव्यांग बच्चों ने दोपहर 11:30 बजे से 12 बजे तक 30 मिनट विविध प्रकार से गायत्री का ध्यान, जप, लेखन किया। यह विश्व रिकॉर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया में दर्ज किया गया है।

दिनांक 16 फरवरी 2024 को हेमांगिनी देसाई शान्तिकुञ्ज आईं, उन्होंने यह उपलब्धि और सम्मान श्रद्धेया जीजी, श्रद्धेय डॉक्टर प्रणव पण्ड्या जी तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी को समर्पित कर दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गायत्री साधना से दिव्यांगों के मानसिक विकास की प्रेरणा आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी से मिली और श्रद्धेय द्वय के आशीर्वाद से हम विश्व कीर्तिमान स्थापित करने में सफल हुए हैं। डॉ. चिन्मय जी ने दिव्यांग बच्चों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए हेमांगिनी देसाई और प्रहर्षा मेहता के कार्यों की सराहना के साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

विश्व रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र श्रद्धेया जीजी को और आदरणीय डॉ. चिन्मय जी को सौंपतीं साधना अभियान की संयोजिका हेमांगिनी देसाई और उनकी साथी

ज्ञानयज्ञ के लिए समर्पित प्रयागराज के कार्यकर्त्ताओं की उत्कृष्ट सेवाएँ

प्रज्ञा अभियान के मुम्बई अश्वमेध महायज्ञ विशेषांक की 25000 प्रतियाँ निःशुल्क बाँटीं

नवी मुम्बई। महाराष्ट्र

विगत लगभग 25 वर्षों से परम पूज्य गुरुदेव के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी तरह समर्पित 'ज्ञानयज्ञ शाखा प्रयागराज' ने मुम्बई अश्वमेध महायज्ञ में उल्लेखनीय सेवाएँ प्रदान कीं। शाखा के चार प्रमुख सहयोगी सर्वश्री अवधेश सिंह, रामदेव यादव, शेषनाथ श्रीवास्तव एवं देवब्रत साहा राय इस महायज्ञ में समयदान के लिए पहुँचे। उन्होंने जन-जन के सहयोग से प्रकाशित प्रज्ञा अभियान के 'मुम्बई अश्वमेध महायज्ञ विशेषांक' की 25000 प्रतियाँ लोगों में निःशुल्क वितरित कराईं। स्वयं चारों भाइयों ने दिल्ली शाखा द्वारा प्रायोजित ब्रह्मभोज योजना को सफल बनाने के लिए अथक परिश्रम किया। इस हेतु बनाए गए चार काउंटरों में से एक को सँभालते हुए अखण्ड ज्योति, युग निर्माण योजना और पाक्षिक प्रज्ञा अभियान के हजारों ग्राहक बनाये। प्रयागराज से ही पहुँचे जिला समन्वयक श्री संजय गुप्ता आदि अन्य 15 भाइयों ने भी ज्ञानयज्ञ के लिए सेवाएँ समर्पित कीं।

अश्वमेध महायज्ञ में अखण्ड ज्योति, प्रज्ञा अभियान आदि पत्रिकाओं के सदस्य बनाने के लिए समयदान कर रही प्रयागराज की टोली

छात्रावास में आयोजित हुआ कन्या कौशल शिविर

जतारा, टीकमगढ़। मध्य प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ जतारा ने 4 मार्च को नगर के बालिका छात्रावास में एक कार्यशाला को नारी सशक्तीकरण का संदेश दिया। मुख्य प्रबंध ट्रस्टी उर्मिला तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि गायत्री परिवार ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से कन्याओं के भीतर छिपी प्रतिभा को जाग्रत् कर रहा है। थाना जतारा की आरक्षक कु. प्रांजल ने वर्तमान समय में हो रहे अपराधों की जानकारी दी और निर्भय होकर चुनौतियों का सामना करने के सूत्र बताये। गायत्री परिवार के श्री सुरेश दुबे सहित कई गणमान्यों ने बालिकाओं को उपयोगी शिक्षाएँ प्रदान कीं।

वाङ्मय स्थापना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश

गायत्री ज्ञान मंदिर, इंदिरा नगर, लखनऊ द्वारा वीर बहादुर सिंह महिला महाविद्यालय, संजय गाँधी पुरम फैजाबाद रोड, लखनऊ के पुस्तकालय में युगऋषि के समस्त 79 खण्डों की स्थापना की गई। यह साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्त्ता श्रीमती सरोज श्रीवास्तव ने अपनी माता स्व. चन्द्रावती, एवं पूज्य विद्यावती देवी की स्मृति में भेंट किया है। संस्थान की प्रधानाचार्या डॉ. बीना दुबे ने इसके लिए गायत्री परिवार का आभार व्यक्त किया।

24 घरों में सद्ग्रंथ स्थापना हुई

विदिशा। मध्य प्रदेश

विदिशा में 13 से 16 फरवरी 2024 की तिथियों में 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। शाखा ने इस यज्ञ में 24 घरों में सद्ग्रंथ स्थापना का संकल्प लिया था। संकल्प से कहीं अधिक सफलता मिली। परिव्राजक श्री प्रेमनारायण जी के विशेष सहयोग से 26 से अधिक घरों में सद्ग्रंथों की स्थापना की गई।

अवतार आता है पर प्रेरणाओं के रूप में। कुछ करने का श्रेय तो वह अपने भक्तों को ही देता है। - स्वामी विवेकानन्द

परहित के लिए जो स्वयं कष्ट सहने में पीछे नहीं रहे, वही है सच्चा शिवभक्त

- श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया शैल जीजी

महाशिवरात्रि

श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया शैल जीजी शान्तिकुञ्ज में रुद्राभिषेक करते हुए

देसंविवि में प्रज्ञेश्वर महादेव का अभिषेक करते डॉ. चिन्मय जी एवं शेफाली जीजी

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया शैल जीजी ने शान्तिकुञ्ज में भगवान महादेव की विशेष पूजा अर्चना की। स्वर, संगीत, उमंग, उल्लास के साथ पुरुष सूक्त, महाकालाष्टक, रुद्राष्टक एवं अन्य वैदिक कर्मकांड के माध्यम से की गई वंदना के साथ उन्होंने कहा कि भगवान शिव ने देवत्व की रक्षा के लिए स्वयं हलाहल पिया था। आज का यह पर्व उसी परम्परा के पालन की प्रेरणा देता है। सच्चा शिवभक्त वही है जो स्वयं कष्ट सहकर भी दूसरों के कल्याण के लिए प्रयत्नशील रहता है। श्रद्धेय डॉक्टर साहब ने कहा कि गायत्री परिवार के संस्थापक पूज्य पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने भी विश्व कल्याण के लिए काफी अपमान सहे, परंतु शिव की भांति वसुधैव कुटुंबकम के भाव को जन-जन के मनों में उतारने का प्रयास किया, जिससे प्राणी मात्र में प्यार, सहकार का भाव जाग्रत हो सके।

प्रज्ञेश्वर महादेव में रुद्राभिषेक

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में परम्परा के अनुरूप प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक हुआ। देसंविवि के प्रति कुलपति व युवा आइकॉन डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी एवं श्रीमती शैफाली जीजी ने अखिल विश्व गायत्री परिवार के परिजनों का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्व शांति की कामना की। इस अवसर पर प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भक्तिगीतों की गंगा बही। उपस्थित हजारों शिव भक्त 'जय भोले हितकारी ...' आदि संकीर्तन के साथ झूमते नजर आए।

पुरुष सूक्त व महाकालाष्टक के साथ रुद्राभिषेक का वैदिक कर्मकाण्ड श्री श्याम बिहारी दुबे एवं श्री उदयकिशोर मिश्र ने सम्पन्न कराया। शान्तिकुञ्ज में हजारों भक्त महाशिवरात्रि के अवसर पर रुद्राभिषेक के विविध कार्यक्रमों में शामिल हुए। यह क्रम सायंकालीन सत्संग सभा तक चलता रहा। देश-विदेश से आये शिव भक्तों ने बड़े उत्साह-उमंग के साथ इसमें भाग लिया।

गुरुदेव-माताजी की प्रेरणा से समाज को प्रगति की ओर ले जा रही हैं गायत्री परिवार की देवियाँ - श्रद्धेया जीजी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया शैल जीजी ने सामाजिक उत्थान में नारी शक्ति के योगदान तथा नारी की गौरव-गरिमा बढ़ाने में परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीया माताजी द्वारा की गई पहल और उनके महान योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि परम वंदनीया माताजी ने दशकों पूर्व समाज की पिछड़ी व वंचित महिलाओं को स्वावलम्बी बनाते हुए उनमें नए उत्साह और साहस का संचार किया था। उसी परम्परा को गति देते हुए आज गायत्री परिवार की करोड़ों नारियाँ समाज को प्रगति की ओर ले जा रही हैं। वे छोटे से छोटे कार्य से लेकर अश्वमेध महायज्ञ जैसे विराट आयोजनों को सम्पन्न कराने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

विद्यार्थियों के तन-मन को ऊर्जावान बनाता

उत्सव-2024

देव संस्कृति विश्वविद्यालय का वार्षिकोत्सव

दिनांक 11 से 13 मार्च 2024 की तिथियों में देव संस्कृति विश्वविद्यालय का वार्षिकोत्सव 'उत्सव-2024' सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि देसंविवि हर वर्ष वार्षिकोत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के अपने विशिष्ट लक्ष्य और उदात्त परम्परा के अनुरूप करता है। इसके अंतर्गत खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में निहित प्रतिभा उकेरने और सम्मानित करने के प्रयास किए जाते हैं।

उत्सव-2024 का शुभारंभ क्रिकेट मैदान में ध्वजारोहण एवं संकल्प समारोह के साथ हुआ।

विद्यार्थियों को खेल भावना और अनुशासन के पालन का संकल्प कराते देसंविवि के प्रति कुलपति जी

23 प्रकार के इंडोर, आउटडोर खेल एवं कलात्मक तथा बौद्धिक प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। समापन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मन मोह लिया

इस अवसर पर विवि. के प्रति कुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने खेल भावना का आदर करने व नियमों का पालन करने की प्रतिज्ञा करवाई।

उत्सव-24 में खेल अधिकारी श्री नरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में तीन दिनों में क्रिकेट, दौड़, गोलाफेंक, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबाल, बैडमिंटन, बास्केटबाल, टेबल टेनिस आदि 23 प्रकार के खेलों का आयोजन हुआ। सांस्कृतिक विभाग प्रभारी डॉ. शिवनारायण प्रसाद के मार्गदर्शन में शास्त्रीय गायन, वादन, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, चित्रकला, रंगोली, मेंहदी, स्वरचित कविता पाठ, प्रज्ञागीत अंताक्षरी, वाद विवाद, बौद्धिक दक्षता आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

उत्सव-2024 के अंतिम दिन गायत्री विद्यापीठ शिक्षण समिति की प्रमुख आदरणीया शेफाली जीजी ने समस्त प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताएँ अंतर्निहित सामर्थ्य को उभारने और निखारने का माध्यम होती हैं। इसके साथ जीत-हार, प्रसन्नता और निराशा स्वाभाविक है, लेकिन पहले से ही परस्पर सहयोग और आनन्द के भाव के साथ परस्पर खुशियाँ बाँटकर इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया जाये तो हर खिलाड़ी के लिए यह आनन्द और भी उत्साहवर्धक हो जाती हैं।

कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेते देव संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएँ

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में **सेमीनार**

भारतीय भाषाओं की जननी संस्कृत का वैज्ञानिक पक्ष और तकनीकी शब्दावली

माननीय राज्यपाल दीप प्रज्वलन कर सेमीनार का शुभारंभ करते हुए, साथ में आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी-प्रति कुलपति देसंविवि

- चार तकनीकी व्याख्यान सत्र हुए,
- 15 शोधपत्र पढ़े गये,
- शोधार्थियों द्वारा संस्कृत के विस्तार एवं आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी गयी।

6 एवं 7 मार्च की तिथियों में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में देव संस्कृति विश्वविद्यालय में 'भारतीय भाषाओं की जननी संस्कृत का वैज्ञानिक पक्ष और तकनीकी शब्दावली' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार सम्पन्न हुआ। इसके उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल ले.ज. (से.नि.) श्री गुरमीत सिंह जी, देसंविवि के प्रति कुलपति माननीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी, सीएसटीटी के अध्यक्ष प्रो. गिरीश नाथ झा एवं असिस्टेंट डायरेक्टर श्री जे.एस. रावत थे।

संस्कृत मानवीय प्रकृति की निकटतम भाषा है। - माननीय राज्यपाल

माननीय राज्यपाल जी ने संस्कृत को मानवीय प्रकृति की निकटतम भाषा बताते हुए कहा कि जो सं (श्वास) से कृत है, वह संस्कृत है। संस्कृत का उच्चारण आनन्द की अनुभूति कराता है, इसका स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि गायत्री महामंत्र का उच्चारण मन को आनंदित करता है।

माननीय राज्यपाल जी ने कहा कि देव संस्कृति विश्वविद्यालय में जो संस्कृत, संस्कार व आधुनिक तकनीकी का संगम है। इस सेमीनार में जो अमृत-सा विचार निकलेगा, वह पूरी दुनिया में जायेगा, ऐसा विश्वास है। उन्होंने प्रत्येक युवा से राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान भी किया।

संस्कृत हमें अतीत, वर्तमान और भविष्य से जोड़ती है। - डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी

देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति एवं करोड़ों युवाओं के आदर्श आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने कहा कि संस्कृत और भारतीय संस्कृति का संबंध अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ा है। हम संस्कृत भाषा के माध्यम से ही प्राच्य विद्या से अवगत होते हैं। वर्तमान अनुसंधान में संस्कृत भाषा का विशिष्ट योगदान है। विश्व में जिस शान्ति और आनन्द की खोज की जा रही है, उसकी जड़ें संस्कृत में निहित हैं। जिस तरह छाया को काटना, मिटाना संभव नहीं है, उसी तरह भारतीय संस्कृति को मिटाना असंभव है।

प्रो० गिरिश नाथ झा ने कहा कि संस्कृत भारतीय भाषाओं की जननी है। प्रत्येक भारतीय भाषाओं में संस्कृत की शब्दावलियाँ समाहित हैं।

इससे पूर्व माननीय राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने देसंविवि में निर्मित शौर्य दीवार में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धा सुमन समर्पित किए।

साहित्य विमोचन

सेमीनार के उद्घाटन समारोह में मंचासीन गणमान्यों ने अश्वमेध महायज्ञ विशेषांक अनाहद, इंटरनेशनल जर्नल (यज्ञ पर शोध), यज्ञ ज्योति आदि का विमोचन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय, देवसंस्कृति विवि और विभिन्न राज्यों से आये अनेक शिक्षाविद उपस्थित रहे।

सत्र के समापन पर आदरणीय डॉ. चिन्मय जी के साथ सेमीनार में पधारे गणमान्य

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में सीएसटीटी शिक्षा मंत्रालय (नई दिल्ली) के अध्यक्ष प्रो. गिरिश नाथ झा, सीएसटीटी शिक्षा मंत्रालय (नई दिल्ली) के सहायक निदेशक- श्री जे.एस. रावत, प्रो. ओमनाथ बिमाली (नई दिल्ली), उत्तराखण्ड संस्कृत विवि हरिद्वार के कुलपति प्रो दिनेशचन्द्र शास्त्री, श्री जनार्दन हेगडे-बैंगलुरु, प्रो लक्ष्मी नारायण सिंह (बिहार), डॉ. संगीता कुमारी (हरिद्वार), श्री मेघ कल्याणसुन्दरम (चैन्नई), श्री सुमित कुमार भारती (नई दिल्ली), डॉ. सच्चिदानंद सनेही, डॉ. सुरेश वर्णवाल (हरिद्वार), डॉ. उमाकांत इंदौलिया आदि ने विचार रखे।

श्रीमती शैलबाला पण्ड्या शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार स्वामी श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट (टीएमडी) गायत्री नगर, श्रीरामपुरम, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार द्वारा प्रकाशित तथा उत्तर भारत लाइव, एच.सी.एल. कम्पाउण्ड, सहारनपुर रोड़, निरंजनपुर, देहरादून-248001 (उत्तराखंड) में मुद्रित।
संपादक- प्रमोद शर्मा। **पता** :- शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार (उत्तराखंड), पिन 249411. फोन-(01334) 260602

सम्पर्क सूत्र : पंजीयन एवं पूछताछ
फोन : 01334-311004
ईमेल : pragyaabhiyan@awgp.in
समाचार भेजने के लिए
ई-मेल : news@awgp.org

Publication date: 27.03.2024
Place: Shantikunj, Haridwar
RNI-NO.38653/ 1980
Postel R.No. UA/DO/DDN/ 16 / 2024-26
Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2024-26